

सुबह-नाश्ता के लाभार्थी



पिताश्री संघवी सोकलचन्दजी इन्दरमलजी के दिव्यराशिष
एवं मातुश्री ढेलीदेवी सोकलचन्दजी इन्दरमलजी वेदमुथा के आशीर्वाद से
पुत्र-पुत्रवधू : कानराज-कमलादेवी, अशोककुमार-ललितादेवी
पौत्र-पौत्रवधू : अरविन्दकुमार-रीनादेवी, चन्द्रकांत-सुखदेवी, अखिल-सेजलदेवी
पौत्री : सलोनी • पड़पौत्र-पड़पौत्री : नीवकुमार, ऐशा, अयाना
बेटा-पोता-पड़पोता संघवी शा. सोकलचन्दजी इंदरमलजी वेदमुथा परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : शा. इन्दरमल सुखराज एण्ड को., बेंगलुरु

सुबह की नवकारशी के लाभार्थी

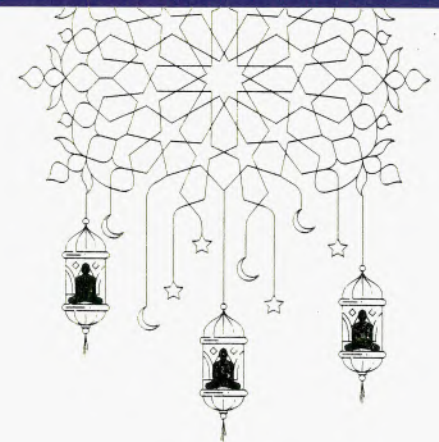


पुण्यसम्राट् गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा. की कृपा से एवं
मातुश्री श्रीमती सुमतीदेवी तगराजजी हिराणी के दिव्यराशिष से
शा. चम्पालाल, फतेहराज, कान्तिनाथ, प्रकाशचन्द, गौतमचन्द, राजेन्द्रकुमार, महावीर, सन्दीप, प्रदीप, राकेश,
दिलीप, धीरज, चेतन, अभित, आकाश, अमन, मीत, ध्रुव, नकुल, जनिता, समर, भव्य, मनिता, हिरव, धीर
बेटा-पोता-पड़पोता शा. तगराजजी जेठमलजी हिराणी परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : शा. तगराजजी जेठमलजी हिराणी, दिल्ली - चेन्नई - बेंगलुरु

शाम की नवकारशी के लाभार्थी



पूज्य सुमेरमलजी सुखराजजी एवं सुरेशकुमार सुमेरमलजी के दिव्यराशिष से
संघवी शा. कपूरचंद, कीर्तिकुमार, प्रवीणकुमार, महेंद्रकुमार, मुकेशकुमार, अमितकुमार, आकाशकुमार,
यश, यशित, हर्ष, युग, हित, तान्या, याशिका, दीक्षिता, छवि, दिक्षी
बेटा-पोता-पड़पोता शा. सुखराजजी भगजी वेदमुथा परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : संघवी होजेरी कॉर्पोरेशन, बेंगलुरु



पशु के
वियोग में भी
भक्तों को पशु का
माक्षात् मित्रन
करवाने वाले
परम पुष्ट
आरुं बन का नाम है
जिन पतिमा।